ओ, औ, अं और अः की मात्रा 14

गौरी की मौसी की नाव

नाव चली रे नाव चली
लगती कितनी भली–भली।
छपक–छपक कर चलती जाए,
इस पर मेरी मौसी आए।

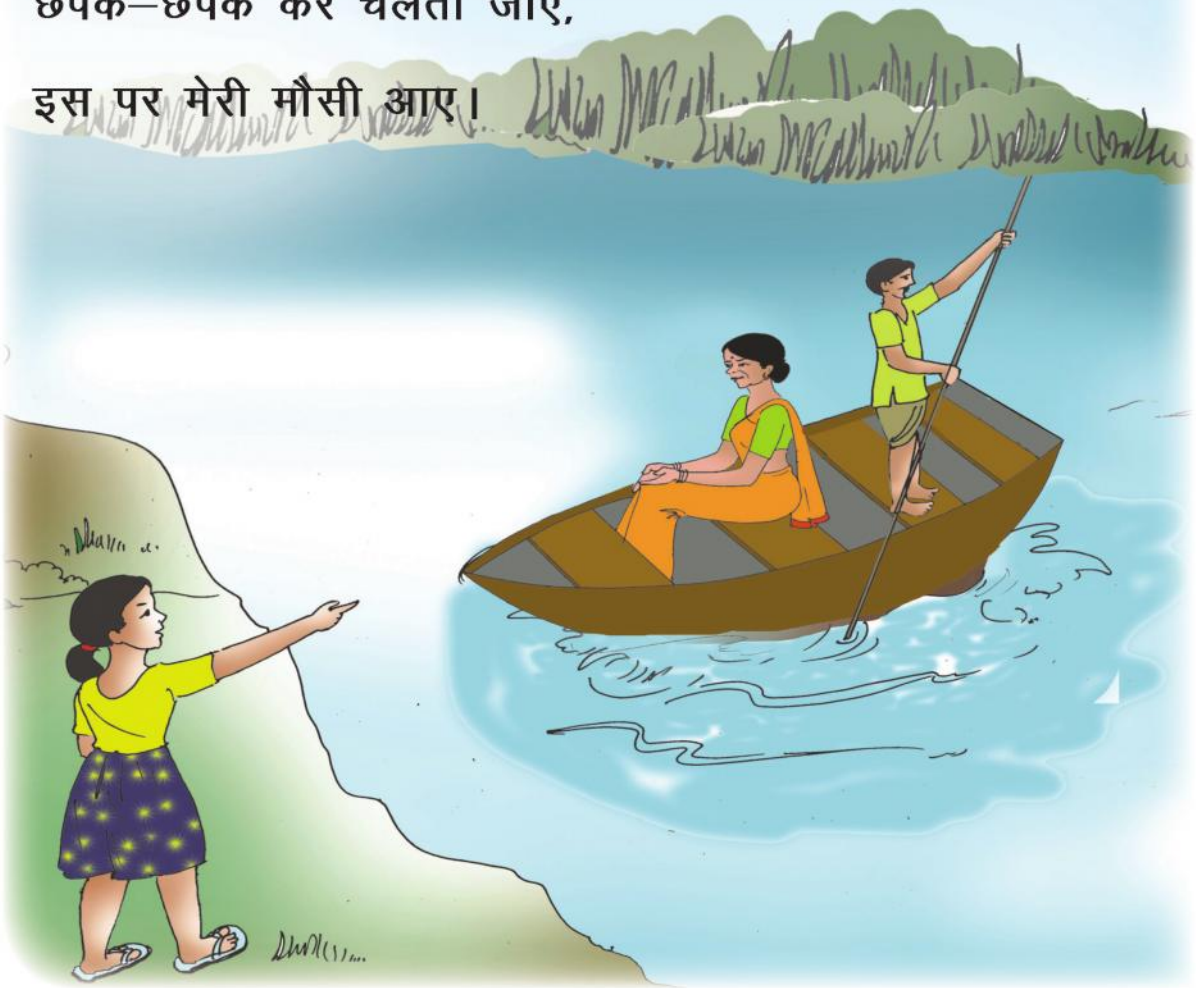

शिक्षण संकेत :

बच्चों को कविता याद करवाएँ। पढ़ने के लिए भी प्रेरित करें।
'मौसी' शब्द 'छपक' शब्द लिखकर पहचान करवाएँ। लय–ताल के साथ गायन करवाएँ।

ओ की मात्रा = ो

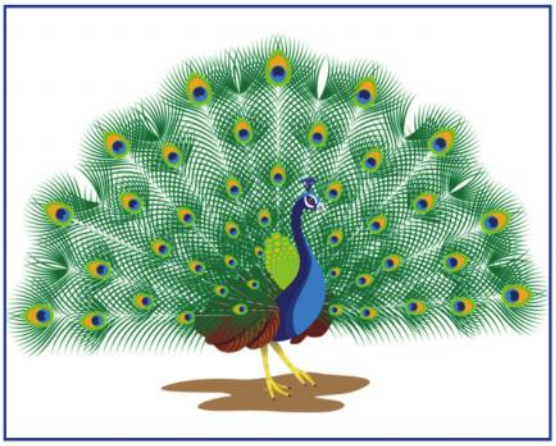

म + ो + र = मोर

औ की मात्रा = ौ

प + ौ + ध + ा = पौधा

अब पढ़िए –

तोता मोर होली मोती सोना

कटीरी टोकरी भोजन कठोर

सोमवार दोपहर खरगोश

भोर हो गई। गोपाल उठ।

मोहन ढोल बजाता है।

सोहन खाना खाता है।

नौका पौधा कौआ दौड़

सौरभ मौसम खिलौना चौपाई

सौदागर चौकीदार नौजवान दौड़कर

आज मौसम ठीक है। छत पर कौआ

बौल रहा है। इन्दौर से मौसा और

मौसी आए हैं।

शिक्षण संकेत :

' ो ' तथा ' ौ ' की मात्रा वाले शब्दों का श्यामपट पर लेखन का अभ्यास करवाएँ।

मेरा गाँव

बड़ा निराला मेरा गाँव
हरा–भरा है मेरा गाँव
गाँव मेरा है खेतों का
खेतों का खलियानों का
करते काम किसान यहाँ
मेहनत है दिन रात यहाँ
हरे–भरे पेड़ों की छाँव
बड़ा निराला मेरा गाँव।

शिक्षण संकेत :

कविता का गायन हाव–भाव के साथ करें। बच्चों को कविता पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित करें। गाँव, यहाँ, छाँव शब्दों का उच्चारण करवाएँ।

अनुस्वार = ं

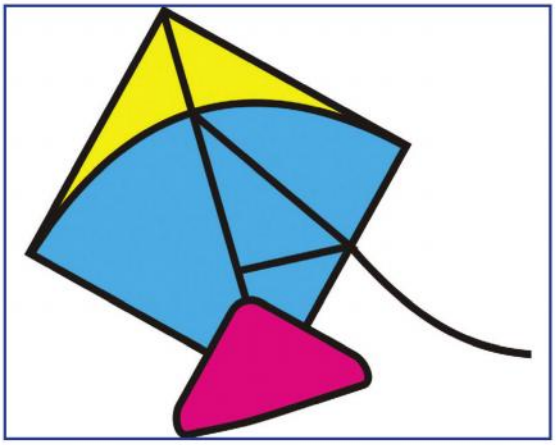

प + त + ं + ग = पतंग

चंद्रबिन्दु = ँ

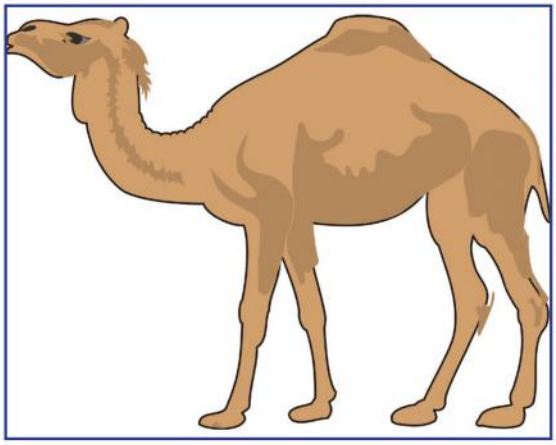

ऊ + ँ + ट = ऊँट

अब पढ़िए –

अंग संग रंग ढंग पंख

कंचन चंदन मंजन पतंग

मोरपंख गणतंत्र संविधान

बसंत आ गया। सब ओर बसंती रंग दिखने लगा। खेतों में बासंती फूल खिल उठे।

ऊँट घूँट पूँछ मूँछ

बूँद काँच साँस आँख

आँवला आँगन बाँसुरी हँसमुख

गाँव के अन्दर एक कुँआ है। कुएँ के पास कंचन का घर है। कंचन बहुत हँसमुख है।

शिक्षण संकेत :

अनुस्वार एवं चन्द्रबिन्दु लगाकर नए शब्द बनवाएँ
वर्णों में अनुस्वर एवं चंद्रबिन्दु लगाकर उच्चारण। अभ्यास कराएँ।

विसर्ग (अः) = :

न + म + : = नमः

छ + : = छः

अब पढ़िए –

अतः	पुनः	नमः
अंततः	फलतः	संभवतः

राम छः बजे उठता है। वह सुबह घूमने जाता है। संभवतः कल परीक्षा है। अतः वह अपनी पुस्तक पुनः पढ़ रहा है।

अनुभव विस्तार

1. पढ़िए –

गाँव	नमः	आँगन
अंततः	फलतः	संभवतः
कोयल	चौदह	लोमड़ी
पौधा	संतरा	अंगूर

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए –

दुः + ख = ... प + तं + ग = ...

सो + म + वा + र = ... खि + लौ + ना = ...

आँ + ग + न = ... अं + त +तः = ...

3. उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए –

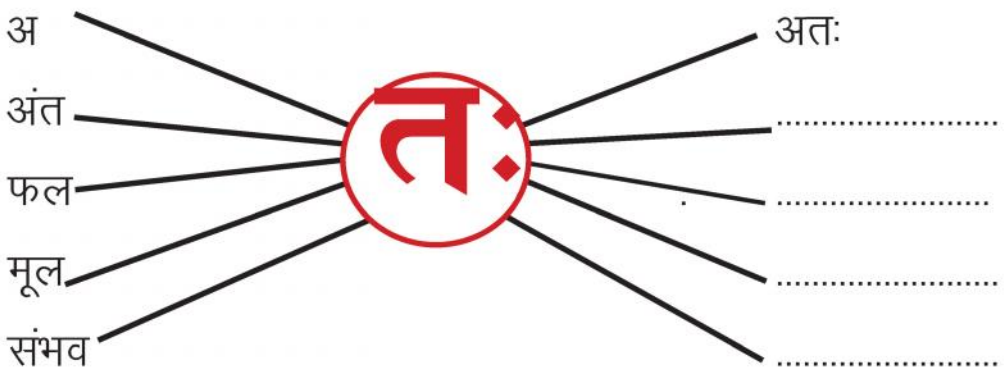

4. ◆ और ँ लगाकर शब्द बनाइए –

साप	पख	गाव
झडा	ऊट	जगल
अगूर	आख	पतग
बासुरी	चदन	आगन

5. श्रुतलेख –

मोर होली दोपहर गोपाल

नौ नौका मौसम

पंख चंदन ऊँट

नमः पुनः

6. दिए गए स्वरों को उनकी सही मात्रा तक पहुँचाइए

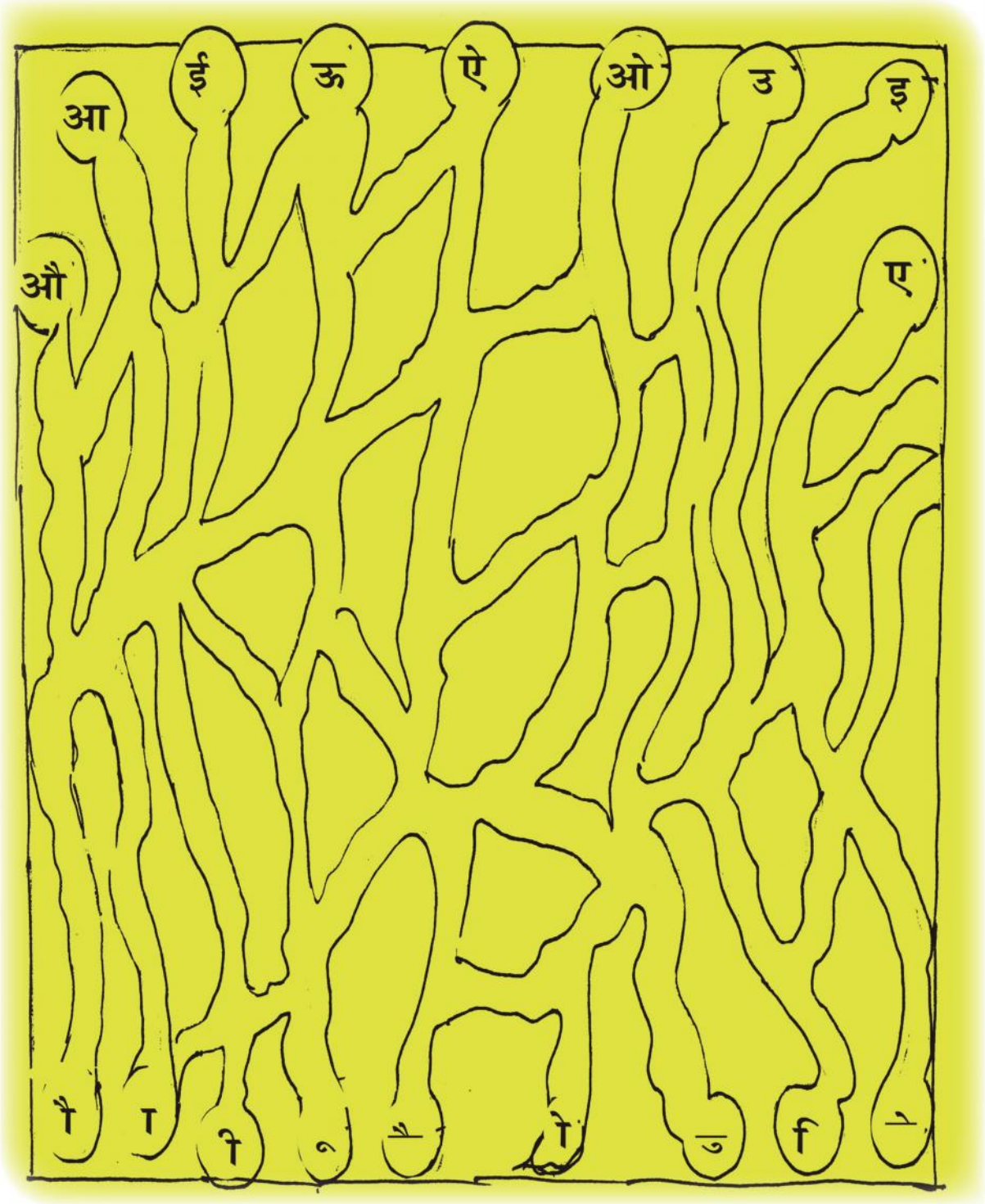

7. दिए गए वर्णों में –े, –ै, ो, ौ, –ं, ाः की मात्रा लगाकर लिखिए–

	–े	–ै	ो	ौ	–ं	–ः
ट	....	....	....	....	....	....
ठ	....	....	....	....	....	....
ड	....	....	....	....	....	....
ढ	....	....	....	....	....	....
ण	....	....	....	....	....	....
त	....	....	....	....	....	....
थ	....	....	....	....	....	....
द	....	....	....	....	....	....
ध	....	....	....	....	....	....
न	....	....	....	....	....	....
प	....	....	....	....	....	....
फ	....	....	....	....	....	....
ब	....	....	....	....	....	....
भ	....	....	....	....	....	....
म	....	....	....	....	....	....